प्रेस-विज्ञप्ति

दीव में अधिकारियों के लिए एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

दीव सितंबर 25, 2019: आज समाहर्तालय सभागार, दीव में दीव जिला प्रशासन के अधिकारियों के लिए एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में दीव जिला प्रशासन के कई अधिकारीगण शामिल हुए। कार्यशाला में राजभाषा विभाग, दीव के सहायक निदेशक श्री अंतर्यामी परिड़ा ने अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया । इस कार्यशाला में दीव के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कासिम सुल्तान, सरकारी अस्पताल, दीव के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ अजय शर्मा, लेखा उप-निदेशक श्री मनोज कामलिया, जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री जयेश धंधूकिया, बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती गायत्री जाट, मत्स्योद्योग अधीक्षक श्री सुकर अंजनी, सहायक शिक्षा निदेशक श्री दिलावर मंसूरी, मोटर वाहन निरीक्षक श्री सलीम अहमद, आई.टी.आई. दीव के प्रभारी गृप अनुदेशक श्री संदीप बारिया, जिला बाल संरक्षण अधिकारी सुश्री मैत्री भट्ट आदि उपस्थित रहे।

आज आयोजित कार्यशाला में प्रशिक्षक की भूमिका श्री अंतर्यामी परिड़ा ने अदा की । उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को राजभाषा हिन्दी में कार्य करने की प्रेरणा देते हुए आने वाली दिक्कतों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि दीव स्थित कार्यालयों में हिन्दी प्रयोग की स्थिति बहुत अच्छी है परंतु कुछ एक मुश्किलों के कारण जिस सुचारू गति से हिन्दी को प्राथमिकता मिलनी चाहिए, वो मुकाम अभी बाकी है । उन्होंने हिन्दी में लिखे जाने वाले मसौदा, टिप्पण एवं आलेखन की लेखन विधि पर भी चर्चा की । उन्होंने तिमाही हिन्दी प्रगति रिपोर्ट को ऑनलाईन भरने में आनेवाली दिक्कतों पर चर्चा करते हुए उचित मार्ग बताया, ताकि सभी कार्यालय समयबद्ध तरीके से हिन्दी रिपोर्ट ऑनलाईन प्रेषण कर राजभाषा विभाग में उसकी प्रति भिजवा सकें। श्री परिड़ा ने कहा कि प्रचलित शब्दों का प्रयोग हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सकारात्मक भूमिका अदा करते हैं । अत: राजभाषा हिन्दी में टिप्पणी या पत्र लेखन के लिए लिप्यंतरण कर प्रचलित शब्दों का ही प्रयोग किया जाना चाहिए, चाहे वो शब्द हिन्दी के हों, गुजराती के या अंग्रेजी के । ऐसा करने से कार्यालयों में हिन्दी के विकास को बल मिलेगा और कर्मियों को काम करने में भी आसानी होगी।

ज्ञातव्य हो कि राजभाषा विभाग, दीव द्वारा प्रतिवर्ष चार हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इसमें दो अधिकारी वर्ग और दो कर्मचारी वर्ग के लिए आयोजन होता है। हिन्दी कार्यशाला के आयोजन का मूल उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में हिन्दी में काम-काज की प्रतिशतता को बढ़ाना और राजभाषा हिन्दी को प्राथमिकता देनी है। हिन्दी में कार्य करने में आनेवाली कठिनाइयों और उनके निदानों पर भी इस कार्यशाला में चर्चा की गई, ताकि आने वाले समय में अधिकारियों को राजभाषा हिन्दी के अधिनियम, नियम के तहत विधिवत एवं सुचारू तरीके से कार्यालयीन कार्यों को हिन्दी में संपादित किया जा सके ।